

---

# Shri Veda VyasAShTakam

श्रीवेदव्यासाष्टकम्

## Document Information

---

Text title : Shri Veda Vyasa Ashtakam

File name : vyasa-8.itx

Category : aShTaka, deities\_misc, brahmAnanda

Location : doc\_deities\_misc

Author : svAmibrahmAnandavirachitaM

Transliterated by : Sunder Hattangadi

Proofread by : Sunder Hattangadi

Description-comments : Homage to Veda Vyasa

Latest update : August 25, 2007

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 4, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Veda VyasAShTakam

---

### श्रीवेदव्यासाष्टकम्

---



(दृत्विलम्बितं छन्दः)

कलिमलास्तविवेकद्विवाकरं समवलोक्य तमोवलितं जनम् ।

करुणया भुवि दर्शितविग्रहं मुनिवरं तमहं सततं भजे ॥ १ ॥ (मुनिवरं तमहं सततं भजे

भरतवंशसमुद्भुरणेश्वर्या स्वजननीवयसा परिनोदितः ।

अजनयत्तनयत्रितयं प्रभुः शुक्नुतं तमहं सततं भजे ॥ २ ॥

मतिभवादि निरीक्ष्य कलौ नृणां लघुतरं कृपया निगमाभ्युधेः ।

समकरोद्विह भागमनेकधा श्रुतिपतिं तमहं सततं भजे ॥ ३ ॥

सकलधर्मनिर्गुणसागरं विविधचित्रकथासमलङ्कृतम् ।

व्यरययञ्च पुराणकदम्बकं कविवरं तमहं सततं भजे ॥ ४ ॥

श्रुतिविरोधसमन्वयदर्पणं निम्बिलवादिमत्तान्ध्यविदारणम् ।

ग्रथितवानपि सूत्रसमूहकं मुनिसुतं तमहं सततं भजे ॥ ५ ॥

यदनुभाववशेन द्विवं गतः समधिगम्य मलास्त्रसमुच्चयम् ।

कुरुयमूमजयद्विजयो(१) द्रुतं द्युतिधरं तमहं सततं भजे ॥ ६ ॥

समरवृत्तविभोधसमीहया कुरुवरेण(२) मुदा कृतयाचनः ।

सपदि सूतमदादभवेक्षां(३) कविहरं तमहं सततं भजे ॥ ७ ॥

वननिवासपरौ कुरुदम्पति सुतशुच्या तपसा च विकर्षितौ ।

भूततनूजगणं समदर्शयित् शरणादं तमहं सततं भजे ॥ ८ ॥

व्यासाष्टकमिदं पुण्यं ब्रह्मानन्देन कीर्तितम् ।

यः पठेन्मनुजो नित्यं स भवेच्छास्त्रपारगः ॥

एति श्रीमत्परमहंसस्वामिब्रह्मानन्दविरचितं

श्रीवेदव्यासाष्टकं सम्पूर्णम् ।

१ कुरुवरेण refers to धृतराष्ट्रेण

२ द्विजयो refers to विजयोरुनः

३ सूतं refers to सञ्जयं


The refrain तमलं सततं भजे

is also replaced by गुरुव्यासमलं भजे


in some prints.

Encoded and proofread by Sunder Hattangadi

---

——  
*Shri Veda VyasAShTakam*

pdf was typeset on November 4, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

